http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 33

प्रयागराज शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

वाल्मीकि मंदिर पहुंचे राहुल गांधी

● पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पार्टी ने मंदिर में पूजा कर रहे राहुल गांधी की तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, श्नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया।श लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर दिल्ली के वाल्मीकि मंदिर में पूजा–अर्चना की। पार्टी ने मंदिर में पूजा कर रहे राहुल गांधी की तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, श्नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया।श राष्ट्रपति मुर्मू ने वाल्मीकी जयंती की दी शुभकामनाएं वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! आदिकवि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण महाकाव्य ने मानव समाज को प्रभु श्री राम की अलौकिक कथा का उपहार दिया है। रामायण में मानवीय आदर्शों का अनुपम चित्रण मिलता है। आदिकवि द्वारा वर्णित आदर्शों के मार्ग पर चलने का प्रयास सभी को करना चाहिए। मैं महर्षि वाल्मीकि की पावन स्मृति को नमन करती हूं! पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, श्आप सभी को वाल्मीकि जयंती की बहुत–बहुत शुभकामनाएं।श बता दें कि वाल्मीकि जयंती को महर्षि वाल्मीकि की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो अब तक के सबसे महत्वपूर्ण और लोकप्रिय महाकाव्यों में से एक रामायण के रचयिता हैं। महर्षि वाल्मीकि की जयंती हर साल हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार अश्विन पूर्णिमा को मनाई जाती है। इस साल वाल्मीकि जयंती 17 अक्तूबर को मनाई जा रही है।

पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव पर की बात, कहा...

संस्कृति को नए सिरे से पेश किया

● भगवान बुद्ध से अपने जुड़ाव पर क्या बोले प्रधानमंत्री मोदी?

● भारत अपनी संस्कृति-सभ्यता को नए सिरे से प्रस्तुत कर रहा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा, ष्इस वर्ष अभिधम्म दिवस के आयोजन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी जुड़ी है। भगवान बुद्ध के अभिधम्म, उनकी वाणी, उनकी शिक्षाएं जिस पाली भाषा में विरासत के तौर पर विश्व को मिली है, इसी महीने भारत सरकार ने उस पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को अभिधम्म दिवस पर दिल्ली में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। विज्ञान भवन में बौद्ध भिक्षुओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भगवान बुद्ध से अपने जुड़ाव पर बात की। साथ ही उन्होंने सरकार के पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने और भारत के अपनी संस्कृति और सभ्यता को नए सिरे से प्रस्तुत करने की बात कही। भगवान बुद्ध से अपने जुड़ाव पर क्या बोले प्रधानमंत्री मोदी? पीएम मोदी ने कहा, ष्अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले 2021 में कुशीनगर में ऐसा ही आयोजन हुआ था, ये मेरा सौभाग्य है कि वहां उस आयोजन में भी मैं शामिल हुआ था। ये मेरा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव की जो यात्रा मेरे जन्म के साथ शुरू हुई है, वो अनवरत जारी है। मेरा जन्म गुजरात के उस वड़नगर में हुआ, जो एक समय बौद्ध धर्म का महान केंद्र हुआ करता था।ष प्रधानमंत्री ने आगे कहा, षपिछले 10 वर्षों में भारत के ऐतिहासिक बौद्ध तीर्थ स्थानों से लेकर दुनिया के अलग अलग देशों तक, नेपाल में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के दर्शन, मंगोलिया में उनकी प्रतिमा के अनावरण से लेकर श्रीलंका में वेसाक समारोह तक मुझे कितने ही पवित्र आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला है।ष उन्होंने कहा, ष्आज शरद पूर्णिमा का पवित्र पर्व भी है और आज ही भारतीय चेतना के महान ऋषि वाल्मीकि जी की जन्मजयंती भी है। मैं समस्त देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती की भी बधाई देता हूं।ष पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने पर कही ये बात पीएम मोदी ने कहा, ष्इस वर्ष अभिधम्म दिवस के आयोजन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी जुड़ी है।

रेलवे रिजर्वेशन के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मंत्रालय ने 16 अक्टूबर को जारी एक अधिसूचना में कहा, ट्रेनों की अवधि 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दी जाएगी। हालांकि रेलवे ने कहा है कि 120 दिनों की अग्रिम आरक्षण अवधि को ध्यान में रखते हुए 31 अक्टूबर तक किए गए सभी आरक्षण वैध बने रहेंगे। रेल मंत्रालय ने घोषणा की है कि अग्रिम रेलवे आरक्षण का समय 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है और यह आदेश 1 नवंबर से लागू होगा। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय लिया गया है कि अग्रिम आरक्षण के लिए मौजूदा समय सीमा 01.11.2024 से लागू की जाएगी। मंत्रालय ने 16 अक्टूबर को जारी एक अधिसूचना में कहा, ट्रेनों की अवधि 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दी जाएगी। हालांकि रेलवे ने कहा है कि 120 दिनों की अग्रिम आरक्षण अवधि को ध्यान में रखते हुए 31 अक्टूबर तक किए गए सभी आरक्षण वैध बने रहेंगे। साथ ही, विदेशी पर्यटकों को यात्रा की तारीख से 365 दिन पहले ट्रेन टिकट बुक करने का लाभ मिलता रहेगा। आईआरसीटीसी ने हाल ही में कई बदलाव किए हैं, जिसमें ट्रेनों में अगले पांच से छह वर्षों के भीतर प्रतीक्षा सूची की लंबे समय से चली आ रही समस्या को खत्म करने की योजना भी शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर यात्री को एक कन्फर्म बर्थ मिले। एक रेलवे सुपर ऐप लॉन्च करने की भी योजना थी।

यूपी में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर

● दो साल में होगा तैयार, एक साथ बैठ सकेंगे दस हजार लोग

लखनऊ,(एजेंसी)। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम और ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर की तर्ज पर लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर बनेगा। सीएम योगी ने इसकी सहमति दे दी है। लखनऊ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। इसके लिए राजधानी में पहला अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (सम्मेलन) केंद्र बनेगा। इसी केंद्र में प्रदर्शनी स्थल भी बनाया जाएगा। वृंदावन योजना में 32 एकड़ के विशाल परिसर में बनने वाले इस भव्य सेंटर की क्षमता 10 हजार लोगों की होगी। लखनऊ में विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त अंतर्राष्ट्रीय सेंटर की सैद्धांतिक सहमति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दे दी है। इसे दो वर्ष में तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम और ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर की तर्ज पर लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एक ऐसे केंद्र की जरूरत लंबे समय से थी, जहां बड़े आयोजन संपन्न हो सकें। प्रदेश के उत्पादों की ग्लोबल ब्रांडिंग हो सके, जो कारोबार में गति लाए। बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंटरनेशनल कन्वेंशन और प्रदर्शनी स्थल के स्वरूप, निर्माण प्रक्रिया, लागत आदि विषयों पर विमर्श किया। उन्होंने कहा कि राजधानी में राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक सर्वसुविधायुक्त, विश्वस्तरीय हाईटेक कन्वेंशन– सह–एग्जीबिशन सेंटर की जरूरत है। इस सेंटर का निर्माण आवास विकास और लखनऊ विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। राज्य सरकार भी इसमें वित्तीय सहयोग करेगी। निर्माण के लिए मुख्यमंत्री ने दो वर्ष का समय तय किया है। सीएम ने दिए निर्देश सीएम योगी ने कहा कि कन्वेंशन सेंटर को बहुउपयोगी बनाया जाना जाए, जहां बड़े सांस्कृतिक, राजनीतिक, राजकीय, धार्मिक समारोह गीत–संगीत के कंसर्ट पूरी भव्यता के साथ कराए जा सकें। ये सेंटर सभी प्रकार के मेलों व प्रदर्शनियों की मेजबानी करने में सक्षम होगा। यहां ओपन थियेटर भी होगा। सेंटर के नजदीक होटल इंडस्ट्री को जमीन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन की वास्तुकला में भारतीय संस्कृति की झलक दिखे। साथ ही जल और ऊर्जा संरक्षण में अपने आप में नजीर बन सके। उन्होंने कहा कि कन्वेंशन सेंटर में उत्तर प्रदेश के एक जिला एक उत्पाद, विशिष्ट खान–पान, लोककला, लोकसंगीत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कन्वेंशन सेंटर में छोटे, बड़े और भारी वाहनों की बेहतर पार्किंग, फायर सेफ्टी, प्रसाधन और फूड कोर्ट आदि की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के भी निर्देश दिए।

सीएम बोले– शराब पीना बुरी बात, जांच कर कड़ी कार्रवाई करें एडीजी

पटना,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोगों से अपील करते हुये कहा कि शराब पीना बुरी बात है, यह लोगों को समझना चाहिये। शराब पीने से न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होता है बल्कि परिवार और समाज में अशांति का माहौल भी उत्पन्न होता है। बिहार के सारण और सीवान में जहरीली शराब कांड को सीएम नीतीश कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। सीएम ने पटना में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इसके मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को निर्देश दिया कि वह घटनास्थल पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेकर सभी बिन्दुओं पर सघन जांच करें। मुख्यमंत्री ने एडीजी (प्रोहिबिशन) की पूरी टीम को घटनास्थल पर जाकर उसकी सघन जांच कर इस कांड में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएम बोले– शराब पीना बुरी बात मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि पूरे घटनाक्रम की अपने स्तर से लगातार मॉनिटरिंग करते रहें और इस घटना के लिये जो भी दोषी हों उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से अपील करते हुये कहा कि शराब पीना बुरी बात है, यह लोगों को समझना चाहिये। शराब पीने से न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होता है बल्कि परिवार और समाज में अशांति का माहौल भी उत्पन्न होता है। राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू है। इसका सभी लोग पालन कर रहे हैं।

'नागरिकता कानून की धारा 6ए में खामियां'

● जस्टिस पारदीवाला ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जताई असहमति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीठ में शामिल जस्टिस जेबी पारदीवाला ने फैसले से असहमति जताई। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला के अलावा मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुदरेश, जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता कानून की धारा 6ए की संवैधानिकता को बरकरार रखा है और पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने गुरुवार को 4–1 से इसके पक्ष में फैसला दिया। हालांकि पीठ में शामिल जस्टिस जेबी पारदीवाला ने फैसले से असहमति जताई। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला के अलावा मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने की ये टिप्पणी नागरिकता कानून की धारा 6ए को लेकर अपनी असहमति जताते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि श्अधिनियम की धारा 6ए भले ही इसे लागू करते समय वैध रही थी, लेकिन समय के साथ इसमें अस्थायी रूप से खामियां आ गई हैं। यह धारा राजनीतिक समझौते को विधायी मान्यता देने के लिए अधिनियमित की गई थी।श गौरतलब है कि नागरिकता कानून की नागरिकता कानून की धारा 6। को 1985 में असम समझौते के दौरान जोड़ा गया था। इस कानून के तहत जो बांग्लादेशी अप्रवासी 1 जनवरी 1966 से पहले असम आए, उन्हें भारतीय नागरिक माना गया है। वहीं 1 जनवरी 1966 से लेकर 25 मार्च 1971 के बीच असम आये अप्रवासियों को कुछ शर्तों के साथ भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिक नहीं हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा कि श्इस धारा चुनावों से पहले असम के लोगों को खुश करने के लिए लाया हो सकता है। कानून के तहत 1971 से पहले भारत आने वाले सभी लोगों को भारत की नागरिकता दे दी गई थी, लेकिन तथ्य यह है कि 1966 से 1972 तक एक सख्त शर्त (10 साल तक कोई मतदान अधिकार नहीं) के अधीन एक वैधानिक श्रेणी बनाई गई थी, जिसका अर्थ है कि नागरिकता प्रदान करना एकमात्र उद्देश्य नहीं था और वास्तव में यह असम के लोगों को शांत करने के लिए था ।क्योंकि इस तरह के समावेश से राज्य में हुए चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ा।श जस्टिस पारदीवाला ने कहा– समय बीतने के साथ धारा 6ए असंवैधानिक हो गई है जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि श्यह अतार्किक रूप से हैरान करने वाला है।

देश में क्यों बढ़ रही महंगाई? भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में बताया ये कारण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की समग्र महंगाई में आयातित मुद्रास्फीति का हिस्सा बढ़ा है। आयातित मुद्रास्फीति में सितंबर में 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले 13 महीनों में सबसे अधिक है। आयातित मुद्रास्फीति का मतलब आयात की जाने वाली वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से है। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना, तेल, वसा और रासायनिक उत्पाद की बढ़ती कीमतों ने देश में महंगाई बढ़ने में सबसे अधिक योगदान दिया है। भारत में आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 2 प्रतिशत

की वृद्धि के साथ 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एसबीआई ने रिपोर्ट में बताया कि आयातित वस्तुओं की बढ़ती कीमतें देश की समग्र महंगाई में तेजी से योगदान दे रही है। सोना, तेल व वसा और रासायनिक उत्पादों की बढ़ती की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ रही है। आयातित मुद्रास्फीति किसी देश में आयातित उत्पादों की उच्च लागत के कारण वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में इजाफे को कहते हैं। रिपोर्ट में चिंता जताते हुए कहा गया है, ष्समग्र मुद्रास्फीति में आयातित मुद्रास्फीति का हिस्सा बढ़ा है। आयातित मुद्रास्फीति में सितंबर में 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले 13 महीनों में सबसे अधिक है। सोने की कीमतें, तेल व वसा।

नायब सैनी कैबिनेट में नए से लेकर पुराने चेहरों का संगम

चण्डीगढ़–हरियाणा,(एजेंसी)। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बन गई है। पंचकूला में आयोजित समारोह में सीएम नायब सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी समेत गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार सरकार बना ली है। नायब सैनी ने पंचकूला में आयोजित भव्य समारोह में सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ ही 13 मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। जानें नायब सैनी 2.0 मंत्रिमंडल... अनिल विज– 71 वर्षीय अनिल विज अंबाला कैंट से सातवीं बार विधायक बने हैं। वे अनुभवी और जुझारू नेता माने जाते हैं। उनकी राजनीति की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुई, जब वे एसडी कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। इसके बाद वे 1970 में एबीवीपी के महासचिव बने और 1974 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में नौकरी ज्वाइन की। राव नरबीर सिंह– हरियाणा के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र बादशाहपुर के विधायक राव नरबीर सिंह को नायब सैनी सरकार में मंत्री बनाया गया है। भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मंत्री राव नरबीर पहली बार साल 2014 में बादशाहपुर से जीते थे और मनोहर सरकार में मंत्री बने थे। कृष्णलाल पंवार– इसराना के विधायक पंवार थर्मल की नौकरी छोड़कर राजनीति में उतरे थे। पंवार पिछली मनोहर सरकार में परिवहन मंत्री थे। 2019 में चुनाव हारने के बाद भाजपा ने राज्यसभा सांसद बनाया। 12 साल की नौकरी के बाद उन्होंने 1991 में पानीपत थर्मल पावर प्लांट में नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। ओमप्रकाश चौटाला के नेतृत्व में 1991 का चुनाव असंध से लड़ा और पहली बार विधायक बने। महीपाल ढांडा– हरियाणा की नायब सैनी सरकार 2.0 में पानीपत ग्रामीण के विधायक महिपाल ढांडा को भी मंत्री पद दिया गया है। ढांडा पानीपत ग्रामीण विधानसभा में 2014 में भाजपा के टिकट पर पहली बार विधायक बने। उन्होंने 62074 वोट लेकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 36132 वोटों से हराया। विपुल गोयल–फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल बड़े व्यापारी और उद्यमी हैं।

सबसे बड़ी ताकत

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण भी काफी जरूरी है। कृषि अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र का यह कहना बेहद अहम है। इसकी कई वजहें हैं।खाद्यान्न उत्पादन में भारत हमेशा से समृद्ध और सक्षम रहा है। आजादी के वक्त भले हमारी स्थिति कमजोर थी और खाद्य सुरक्षा चुनौती थी, मगर आज हम खाद्य अधिशेष देश हैं। दूध, दाल एवं कई मसालों का सबसे बड़ा व खाद्यान्न, फल–सब्जी, कपास, चीनी, चाय व मछली का दूसरा बड़ा उत्पादक हैं।दरअसल, यह सबकुछ संभव हुआ है खेती में नई नीतियों का समायोजन करके। चूंकि भारत में छोटे किसान खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं इस नाते भारत वैश्विक हो रही खाद्यान्न समस्या को सही और समग्र तरीके से समझने वाला देश है औंर इसके निदान के लिए भारत के मॉडल कई देशों के काम आ सकते हैं।

देश की 70 फीसद से ज्यादा की आबादी खेती–किसानी करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था को विस्तार और ताकत देने में खेती का बहुमूल्य योगदान है। साफ है कि कृषि हमारी आर्थिक नीतियों के केंद्र में है। जहां तक बात वैश्विक तौर पर खाद्य संकट को दूर करने की है तो भारत ने ऐसे कई उपाय तलाशे हैं, जिससे इस बड़ी समस्या को हल किया जा सकता है।इसमें प्राकृतिक खेती का चलन सबसे कारगर है। अच्छी बात है कि इसके परिणाम भी सुखद आ रहे हैं। स्वाभाविक है सरकार के लिए यह वाकई सुखकारी स्थिति है। यही वजह है कि इस बार के बजट में कृषि के सतत विकास पर बड़ा फोकस है। हां, चुनौती भी हमारे दरपेश है।

क्योंकि जलवायु में हाहाकारी बदलाव ने कृषि के रंग–ढंग को बदल कर रख दिया है। इस नाते शोध की जरूरत आन पड़ी है। हालांकि हमारा जोर शोध व नवाचार पर है और जलवायु के अनुकूल फसल की 1900 प्रजातियां हमने दुनिया को दी हैं।पानी की कमी या चावल उत्पादन में पानी की भारी जरूरत ने यह चर्चा भी तेज कर दी है कि हमें अब ऐसी फसल के उत्पादन पर सोच–समझकर फैसला लेना होगा, जहां पानी की ज्यादा जरूरत पड़ती है।इन सबके बावजूद कृषि की हमारी प्राचीन मान्यताओं के दम पर हमें यह कहने में कतई गुरेज नहीं कि वैश्विक खाद्य संकट का निदान हम ही दे सकते हैं। पूरी दुनिया हमारी काबिलियत से वाकिफ है और यही हमारी ताकत भी है।

सोशल मीडिया पर बाबाओं का विवाद

विनीत नारायण

जब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है।

सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें। पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन–रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है।

पिछले ही दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे। इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों–करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है।

अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार–पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है।

परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान–प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। श्तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनरू।।4.34।।य परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग–अलग गुरु ओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है।

मतलब यह कि आप में योग्यता है कि नहीं, पात्रता है कि नहीं, आपको उस विषय का ज्ञान है कि नहीं, इसका कोई संकोच नहीं किया जाता। केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लालच में बड़े बड़े संतों के साथ नाहक विवाद खड़ा किया जाता है। आजकल ऐसे विवादों की भरमार हो गई है। वैसे तो तकनीकी के हमले को कोई चाह कर भी नहीं रोक सकता। पर कभी–कभी इंसान को लगता है कि उसने भयंकर भूल कर दी। 2003 की बात है जब मैंने बरसाना (मथुरा) के विरक्त संत श्री रमेश बाबा के प्रवचन नियमित रूप से हर सप्ताह बरसाना जा कर सुनना शुरू किया, बाबा की भक्ति और सरलता ने मुझे बहुत प्रभावित किया और मुझे लगा कि बाबा के प्रवचन पूरी दुनिया के कृष्ण भक्तों तक पहुंचने चाहिए।

तब ऐसा होना टीवी चौनल के माध्यम से ही संभव था क्योंकि तब तक सोशल मीडिया इतना लोकप्रिय नहीं हुआ था। मैंने इसके लिए प्रयास करके श्री मान मंदिर में टीवी रिकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना कर दी। उस दौर में मान मंदिर के विरक्त साधुओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि बाबा की बात अगर इस तरह प्रसारित की जाएगी तो बरसाना में कलियुग का प्रवेश कोई रोक नहीं पाएगा पर बाबा ने मुझे अनुमति दी तो काम शुरू हो गया। इसका लाभ मान मंदिर को यह हुआ कि उसके भक्तों की संख्या में देश–विदेश में तेजी से बढ़ोतरी हुई और वहां धन की वष्रा होने लगी। तब मुझे विरोध करने वाले अव्यावहारिक प्रतीत होते थे।

पर आज जब मैं पलट कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि वाकई इस प्रयोग ने मान मंदिर के पवित्र, शांत और निर्मल वातावरण को बहुत सारे झमेलों में फंसा दिया। वहां टीवी का प्रवेश न हुआ होता तो वहां का अनुभव पारलौकिक होता था जिसे अनुभव करने नीतीश कुमार, अर्जुन सिंह, सुषमा स्वराज, लालू यादव, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तक उस दौर में वहां गए और गद्गद् हो कर लौटे।

हमने बात शुरू की थी सोशल मीडिया पर बाबाओं के संग्राम से और बात पहुंच गई अध्यात्म की एकांतिक अनुभूति से शुरू होकर उसके व्यावसायीकरण तक। इस आधुनिक तकनीकी ने जहां श्री राधा कृष्ण की भक्ति का और ब्रज की संस्कृति का दुनिया के कोने–कोने में प्रचार किया वहीं इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि आज वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, मथुरा आदि अपना सदियों से संचित आध्यात्मिक वैभव और नैसर्गिक सौंदर्य तेजी से समेटते जा रहे हैं। हर ओर बाजार शक्तियों ने हमला बोल दिया है।

कहते हैं कि विज्ञान अगर हमारा सेवक बना रहे तो उससे बहुत लाभ होता है पर अगर वो हमारा स्वामी बन जाए तो उसके घातक परिणाम होते हैं। एक ब्रजवासी होने के नाते और संतों के प्रति श्रद्धा होने के नाते मेरा देश भर के संतों से विनम्र निवेदन है कि सोशल मीडिया के संग्राम से बचें और अपने अनुयायियों को होड़ में आगे आकर अपना बढ़ा–चढ़ा कर प्रचार करने से रोकें जिससे वे अपना ध्यान भजन साधन के अलावा तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और रखरखाव में लगा सकें ताकि तीर्थयात्रियों को ब्रज जैसे तीथरे में जाने पर सांस्कृतिक आघात न लगे, जो आज उन्हें लगने लगा है।

चमत्कारिक महिला अवतरित

हरिशंकर व्यास

इन दिनों इंटरनेट पर एक चमत्कारिक महिला अवतरित है। वह लोगों को 30–30 सेकेंड के टिप्स दे रही है, जिनसे उनकी समस्याएं चुटकियों में खत्म हो जाएगी। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे उसके कई वीडियोज में एक वीडियो में वह महिला बताती है कि जिनके खिलाफ मुकदमे चल रहे हैं वे अदालत में जाएं और वहां की कैंटीन से एक पेप्सी की बोतल खरीद कर सारी पेप्सी वहां के टॉयलेट में बहा दें और बोतल व ढक्कन साथ लेकर आ जाएं तो मुकदमे का फैसला उनके पक्ष में हो जाएगा।

ऐसा लग रहा है कि निर्मल बाबा की सक्रियता कम होने से जो जगह खाली हुई है उसे भरने की प्रतिस्पर्धा में इस महिला ने बाजी मारी है। दो दो सिगरेट एक साथ पीने वाली एक दूसरी महिला, सिगार वाली माता भी इन दिनों सोशल मीडिया में धूम मचाए हुए हैं। एक तीसरी महिला लोगों के थोड़े से बाल काट कर उनकी सारी समस्याओं को खत्म करने का दावा करती है। उसका भी जलवा सोशल मीडिया में बहुत दिख रहा है। मंत्र पढ़ कर बीमारी ठीक करने वाले एक बाबा की भी इन दिनों बहुत चर्चा है। मतलब यह है कि जिन बाबाओं को जमीन पर स्पेस नहीं मिल रहा है उनके लिए इंटरनेट का स्पेस है, जहां उन्होंने लाखों, करोड़ भक्त बना लिए हैं।

सवाल है कि 21वीं सदी में ऐसा क्या हुआ, जिससे अचानक ऐसे बाबाओं, साधुओं की बाढ़ आई और ऐसी क्या परिघटना हुई, जो अपने 33 करोड़ देवी देवताओं के होते हुए भी दुखिया हिंदू समाज के लोग इन बाबाओं की शरण में अपने लिए राहत खोजने में लगे है? इसके तीन स्पष्ट कारण हैं। पहला आधुनिक समय में लोगों की बढ़ती मुश्किलें और उनका समाधान नहीं होना। दूसरा, सांस्थायिक रूप से अंधविश्वास को बढ़ावा देना और तीसरा, हिंदू धर्म के अंदर इस्लाम और ईसाई धर्म के चमत्कार की बातों को स्वीकार करके उनके जैसा बनने की प्रवृत्ति।

पहले और तीसरे कारण को एक साथ मिला कर अगर बारीकी से देखें तो ऐसे सारे बाबा चमत्कार दिखाने का वादा करके लोगों को भक्त बना रहे हैं। देश के 140 करोड़ लोगों में हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की समस्या से ग्रस्त है। मौजूदा व्यवस्था ने लोगों का जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है और लोगों को राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक और बहुत हद तक पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था से भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। तभी वह ऐसे चमत्कारिक बाबाओं की शरण में जाता है। बाबा उसको अपना बच्चा बताते हैं, उनकी समस्याओं को दूर करने का वादा करते हैं, उनको भावनात्मक सहारा देते हैं, जो दूसरी किसी व्यवस्था से उनको नहीं मिलता है। तभी लोग ऐसे बाबाओं को मुरीद हो जाते हैं। अपनी समस्या में कोई ठोस राहत नहीं मिलने के बावजूद वे बाबा के गुणगान करते रहते हैं। कुछ समय पहले तक इस तरह के चमत्कारिक काम ईसाई धर्मगुरू लोग करते दिखते थे। टेलीविजन चौनलों पर इनका प्रसारण होता था, जिसमें अपने का ईसा मसीह का दूत बताने वाले धर्म गुरू कथित तौर पर असाध्य रोगों से ग्रस्त लोगों को मंच पर बुलाते थे, कोई मंत्र बुदबुदाते थे, पवित्र जल उसके ऊपर छिड़कते थे और वह व्यक्ति ठीक हो जाता था।

ध्यान रहे इस्लाम और ईसाइयत दोनों सांस्थायिक धर्म हैं, जिनकी एक संरचना है, एक सर्वोच्च धर्मगुरू होता है, एक सर्वोच्च किताब होती है, एक सर्वोच्च धर्मस्थल होता है लेकिन हिंदू धर्म में ऐसा नहीं है। इसमें करोड़ों देवी देवता हैं, लाखों धर्मगुरू हैं और हजारों धार्मिक किताबें हैं। क्षेत्र विशेष और जाति विशेष के हिसाब से लोगों के कुल देवता या कुल देवी हैं, जिनकी वे पूजा करते थे। लेकिन अब हिंदू धर्म के बाबा लोग भी टेलीविजन और सोशल मीडिया में मार्केटिग–ब्रांडिग के व्यवसायी हठकंड़ों से चमत्कारों झांकी बनाकर घर–परिवारों में पैंठ रहे है। चमत्कार दिखाने का दावा करके भक्त बना रहे हैं।

बाबाओं के उदय और लोगों की भेड़ चाल में बनती भक्ति की सुनामा का एक कारण अंधविश्वास को सांस्थायिक रूप से बढ़ावा देना है। यह काम पिछले 10 साल से बहुत व्यापक तौर पर हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उनकी सरकार के अन्य मंत्री और संगठन के लोग यह साबित करने में लगे हैं कि अस्पताल और स्कूल, कॉलेज से ज्यादा मंदिरों की जरुरत है। अब तो खुलेआम न्यूज चौनलों पर बताया जाने लगा है कि अगर नियमित मंदिर जाया जाए तो अस्पताल जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। एक से एक कथावाचक और संत, महात्मा प्रकट हुए हैं, जो टेलीविजन चौनलों या सोशल मीडिया के जरिए लोगों को चमत्कारों के बारे में बताते हैं।

इन तमाम लोगों को सरकारी संरक्षण मिलता है और बड़े सरकारी कार्यक्रमों में इनको सादर आमंत्रित किया जाता है। बड़े बड़े नेता, अधिकारी, पत्रकार इनकी चरणों में बैठे दिखाई देते हैं। संत, महात्माओं या कथावाचकों तक आम लोगों की पहुंच नहीं होती है क्योंकि इनके कार्यक्रमों की फीस हजारों, लाखों में होती है। चूंकि इनकी वजह से मांग बढ़ गई है तो उसे पूरा करने के लिए हर जिले, शहर या कस्बे में चमत्कारिक बाबा अपने आप पैदा होंगे। बड़े लोग बड़े बाबाओं की दुकानों में यदि चरणधूलि ले रहे हैं तो गरीब, वंचित और समाज के सबसे कमजोर तबके के लोग भी यदि भोले बाबा जैसे बाबाओं की चरणधूलि के लिए जान दे रहे हैं तो क्या आश्चर्य।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

चीन पुतिन का समर्थन कुछ शर्तों पर ही करेगा

श्रुति व्यास

क्या दृश्य था.! अस्त होने के ठीक पहले का नर्म सूरज पेड़ों के पीछे से झांक रहा था। उसकी रोशनी दो प्रसन्नचित्त पक्के दोस्तों पर पड़ रही थी जो पांच साल के बाद मिले थे। इस मुलाकात से वे दोनों कितने रोमांचित थे, यह उनके गर्मजोशी से गले मिलने से जाहिर था।

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की यात्रा पर मास्को पहुंचे। वे कूटनीतिक उलझनों को कम करने और संबंधों और मजबूत बनाने के लिए बातचीत करने आए थे।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया और रूस आने के लिए अपने श्प्रिय मित्रश्य मोदी का शुक्रिया अदा किया। जवाब में मोदी ने कहा, ष्एक दोस्त के घर आना हमेशा बहुत अच्छा अनुभव होता हैष्।

एक–दूसरे के प्रति दोनों का रवैया बहुत सौहार्दपूर्ण था। यह करीब–करीब उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग–उन की रूस यात्रा जैसा ही था या फिर कुछ हफ्ते पहले पुतिन की उत्तर कोरिया की यात्रा जैसा। तब किम और पुतिन प्योंगयांग की एक सड़क पर एक महंगी कार में घूमते नजर आए थे, जिसे किम चला रहे थे। लगभग वैसा ही नजारा हमने मॉस्को में देखा जहां मोदी एक नीले रंग की चमचमाती गोल्फ कार्ट में बैठे थे जिसे, पुतिन चला रहे थे। दोनों नेता पुतिन के घोड़ों को देखने जा रहे थे।

जिस समय मॉस्को में प्रेम और सौहार्द का यह प्रदर्शन चल रहा था, उस समय जो बाइडेन वाशिंगटन में नाटो देशों के नेताओं की अगवानी कर रहे थे, जिनकी यात्रा का उद्देश्य था यूक्रेन युद्ध में रूस द्वार ढाए जा रहे जुल्मों के चलते उस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने, उसके खिलाफ और कठोर कदम उठाने पर विचार करना। रूस ने उसी दिन अन्य नागरिक ठिकानों के साथ–साथ यूक्रेन के बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल पर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें बच्चों सहित दर्जनों लोग मारे गए।

मोदी के रूस में हुए गर्मजोशी भरे स्वागत पर कीव से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमिर जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ष्दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को खून–खराबे के सबसे बड़े अपराधी के गले लगते देखना अत्यंत निराशाजनक है और शांति के प्रयासों के लिए बहुत बड़ा झटका हैष्।

प्रधानमंत्री यूक्रेन युद्ध प्रारंभ होने के बाद पहली बार रूस पहुंचे थे। यह तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी थी। उन्होंने स्वयं उनके द्वारा कायम की गई इस परंपरा को तोड़ दिया कि पद संभालने के बाद वे सबसे पहले पड़ोसी देश की यात्रा करेंगे। उन्होंने रूस को चुना।

उनका इरादा पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के खिलाफ कोई सख्त रवैया अपनाने या पुतिन की बर्बरता की कड़े शब्दों में की निंदा करने का नहीं था, बल्कि, दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों पर एक बार फिर मुहर लगानी थी। पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुनने का एक उद्धेश्य क्रेमलिन की भारत के प्रतिद्वंदी चीन पर निर्भरता कम करने का प्रयास करना भी था।

यह करने के लिए उन्हें पूरब और पश्चिम के बीच एक नाजुक संतुलन कायम करना पड़ेगा। लेकिन इसकी बजाए वे अब तक रूस को काफी नरम

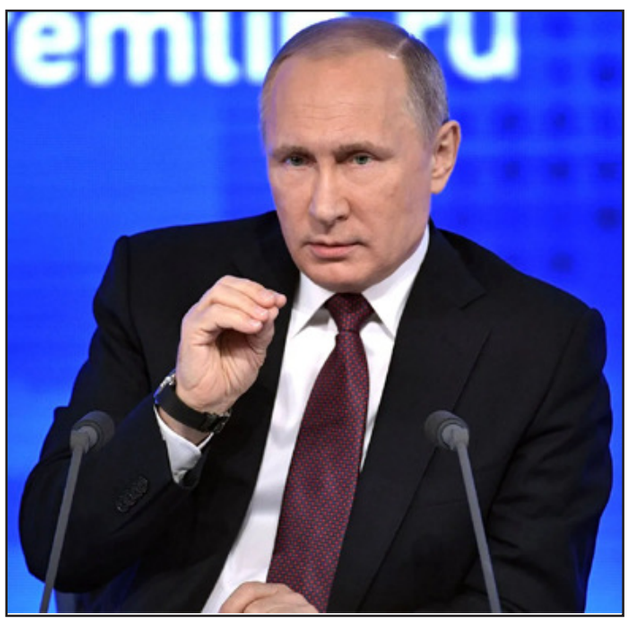

अंदाज में समझाइश देते आ रहे हैं। उन्होंने 2022 में उज्बेकिस्तान में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में पुतिन से कहा था कि ष्आज का समय युद्ध का नहीं हैष्। पुतिन ने पिछले साल दिल्ली में आयोजित हुए जी–20 सम्मेलन में भाग नहीं लिया, जिसमें दुनिया भर के नेताओं ने यूक्रेन पर रूसी हमले की आलोचना की। वहीं मोदी पिछले सप्ताह कजाखस्तान में हुए शंघाई सहयोग संगठन, एससीओ सम्मेलन में नहीं पहुंचे, जिसमें रूसी राष्ट्रपति ने दावा किया कि मॉस्को एवं बीजिंग के संबंध इससे पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे।

इससे भारत के कान खड़े हो गए। उसे लगा कि मॉस्को–बीजिंग की बढ़ती निकटता से वह अलग–थलग पड़ जाएगा। लद्दाख इलाके में जून 2020 में हुई खूनी झड़पों में 20 भारतीय और कम से कम चार चीनी सैनिक मारे गए थे और इसके कारण दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

यह स्थिति दिल्ली को चुभी और चिंतित सरकार ने आनन–फानन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा का कार्यक्रम बनाया। आखिरकार रूस को भारत की जितनी जरूरत है, उससे कहीं ज्यादा जरूरत भारत को रूस की है। प्रतिरक्षा और तेल के लिए अभी भी भारत काफी हद तक रूस पर निर्भर है। रूस के लिए भारत वित्तीय दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और दोनों देशों का आपसी व्यापार पिछले वर्ष करीब 65 अरब डॉलर था मगर इसमें ज्यादातर राशि रूस से निर्यात के भुगतान की है, जिसके नतीजे में भारत का व्यापार घाटा बहुत तेजी से बढ़ा है। इस बात पर मोदी ने भी श्गपशपष्य के दौरान चिंता जाहिर की।

लेकिन श्गपशपष्य के दौरान सिर्फ मीठी–मीठी बातें ही नहीं हुईं, बल्कि इसमें तकरार के क्षण भी आए। आखिरकार युद्ध का दुष्प्रभाव भारत को भी झेलना पड़ा है। मोदी ने जल्दी से जल्दी उन भारतीयों को मुक्त कराने की मांग की, जिन्हें पिछले कुछ वर्षों में यूक्रेन से लड़ने के लिए रूसी सेना में शामिल होने के लिए बहलाया–फुसलाया गया था। अब तक इनमें से कम से कम चार की मौत युद्धक्षेत्र में हो चुकी है। पुतिन ने वायदा किया कि सभी भारतीयों को रूसी सेना की सेवाओं से मुक्त करके वापिस स्वदेश भेज दिया जाएगा।

मोदी की रूस की यह पहली दोपक्षीय विदेश यात्रा अमेरिका को पसंद नहीं आई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मोदी से मॉस्को में यूक्रेन की अखंडता के मुद्दे पर जोर देकर बात करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने रूस से संबंधों को लेकर भारत से चिंता जाहिर की है।

भारत इस समय किसी नट की तरह, दो खंभों के बीच बंधी रस्सी पर संतुलन बनाए रखकर चलने की कोशिश कर रहा है। वो दोनों पक्षों से पूरा–पूरा लाभ हासिल करना चाहता है। वह अमेरिका और पश्चिम का सहयोगी बनना चाहता है। वह चाहता है कि पूरी दुनिया उसे विश्वगुरु माने। लेकिन जो गुरु अपने चेलों की गलतियों पर चुप्पी साध ले वह कैसा गुरु।

इसमें कोई संदेह नहीं कि मोदी की रूस यात्रा शीत युद्ध के समय से जारी रणनीतिक संबंधों की ही एक कड़ी है। रूस और चीन की निकटता से नई दिल्ली में बेचौनी और चिंता उत्पन्न होना स्वाभाविक है। आने वाले समय में रूस और चीन की निकटता, भारत के लिए एक मुसीबत बन सकती है। पुतिन जरा सी भी झिझक के बिना बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाए हुए हैं और आशंका कि वे रसायनिक और छोटे परमाणु हथियारों के जरिए और भी निर्दयतापूर्ण जुल्म ढा सकते हैं।

क्या भारत इसका मूक दर्शक बना रहेगा? और यदि युद्ध रूस को थका देता है, उसकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर देता है, तो क्या चीन पर उसकी निर्भरता और नहीं बढ़ेगी? क्या यह भारत के लिए नुकसानदायक नहीं होगा? हम यह जानते हैं कि चीन पुतिन का समर्थन कुछ शर्तों पर ही करेगा। और इसमें कोई शंका नहीं होनी चाहिए कि भारत–चीन विवाद की स्थिति में रूस वैसा ही आचरण करेगा जैसा आज भारत कर रहा हैदृ न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर।

गड्ढामुक्ति का कार्य 31 तक पूर्ण किया जाये-जिलाधिकारी

डीएम ने सड़को के गड्ढामुक्ति के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने विकास भवन सभागार में जनपद की सड़कों के गड्ढामुक्ति के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओ0पी0 चौरसिया ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के 03 खण्ड है जिसमें प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग के क्षतिग्रस्त मार्गो में ओडीआर के 09 कार्य और विलेज के 227 के कार्य कराये जा रहे है। लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड–1 के अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि स्टेट हाइवे 01 कार्य, एमडीआर 02 कार्य, ओडीआर के 18 कार्य व विलेज के 51 कार्य है जिनमें कार्ययोजना बनाकर सड़कों के गड्ढामुक्ति का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि ओडीआर के 11 कार्य व विलेज के 94 कार्य है जिनमें गड्ढामुक्ति का कार्य किया जा रहा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि 22 किमी0 के क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढामुक्ति का कार्य कराया जा रहा है एवं 14 सड़कों का नवीनीकरण किया जाना है। पीएमजीएसवाई की 41 किमी0 की सड़कों को गड्ढामुक्ति किया जाना है जिनकी कार्ययोजना बना ली गयी है। जिला पंचायत की 12 किमी0 की सड़कों को गड्ढामुक्ति किया जाना है।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों के गड्ढामुक्ति का कार्य जो किया जाये वह गुणवत्तायुक्त होना चाहिये। उन्होने कहा कि सड़कों के गड्ढामुक्ति की जांच करायी जाये यदि सड़के गुणवत्तायुक्त नही पायी जायेंगी तो सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। सड़कों के गड्डामुक्ति का कार्य 31 अक्टूबर तक पूर्ण कर लिया जाये और सम्बन्धित अधिकारी जो गड्ढामुक्ति की कार्ययोजना बनायी गयी है उसकी सूचना लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड को उपलब्ध करा दें जिससे डायरेक्ट्री तैयार करायी जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों को गड्ढामुक्ति कार्य की सूचना लिखित में अवगत करा दें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओपी चौरसिया, निर्माण खण्ड–1 के अधिशासी अभियन्ता अजय कुमार, निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता ब्रजमोहन सिंह, आरईएस के अधिशासी अभियन्ता सुजीत कुमार राय, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

धर्म ग्रंथों का सार है श्रीमद्भागवत–श्रीदास

कुशीनगर। अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक श्रीदास महराज ने के कहा कि श्रीमद् भागवत समस्त वेदों का सार है। हमारे धर्म ग्रंथों का सार ही श्रीमद्भागवत है। जीवन जीने की कला और मृत्यु का वरण कैसे किया जाए ये हमें श्रीमद्भागवत सिखाती हैं।

पडरौना नगर के श्रीचित्रगुप्त धाम स्थित श्रीचित्रगुप्त मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथावाचक श्रीदास महराज व्यास गद्दी से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रहे थे। उन्होंने बुधवार को राधाष्टमी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद् भागवतकथा राधा तत्व पर विराजित है। अतः प्रत्येक जीव का यह प्रथम कर्तव्य है कि अधिक से अधिक समय भगवत स्मरण में व्यतीत करें, क्योंकि कलयुग में भगवान का नाम ही सर्वोपरि है। भगवान के स्मरण से आने वाली समस्त विपदाएं स्वतरू ही नष्ट हो जाती है। भगवान का स्मरण अधिक से अधिक कर जीवन को धन्य बनाएं। व्यास गद्दी से कथा के वृतांत को आगे बढाते हुए कहा कि भाद्र मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन माता राधा का धरती [illegible] साथ घूमने चले गए। यह बात जब राधा रानी को मालूम हुई, तो उन्हें बहुत गुस्सा आया और वो सीधे कन्हैया के पास पहुंची। वहां पहुंचकर उन्होंने विजारा को श्राप देकर श्रीकृष्ण को काफी भला–बुरा कहा।

राधा रानी का यह व्यवहार भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय मित्र श्रीदामा को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। श्रीदामा ने उसी वक्त बिना कुछ सोचे समझे राधा रानी को पृथ्वी पर जन्म लेने का श्राप दे दिया। इधर माता राधा के श्राप से श्रीकृष्ण की सखी विराजा भी नदी मे परिवर्तित होकर वहां से चली गईं। श्रीदास से श्रापित होने के बाद माता राधा ने श्रीदामा को राक्षस कुल में पैदा होने का श्राप दिया। राधा जी द्वारा दिए गए श्राप की वजह से ही श्रीदामा का जन्म शंखचूड़ दानव के रूप में हुआ।

आगे चलकर वही दानव, भगवान विष्णु का परम भक्त बना जिसे महादेव के हाथो मोक्ष की प्राप्ति हुई। दूसरी तरफ श्रीदास के श्राप से , राधा रानी ने पृथ्वी पर वृषभानु के घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। कथा के दौरान ही राधाष्टमी का उत्सव मनाया गया है। मंदिर [illegible]

संक्षेप

बस को लखनऊ के लिए किया रवाना

प्रतापगढ़। 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण (आपदा मित्रः स्वयंसेवकध्वॉलिंटियर्स) को जनपद प्रतापगढ़ से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कुल 74 प्रतिभागियों जिसमें 26 महिलाएं एवं 48 पुरुषों सहित प्रतिभाग किया जाना है को आज कलेक्टर परिसर से डीजीसी सिविल राघवेंद्र सिंह एवं जिला आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर लखनऊ के लिए रवाना किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्राधिकरण लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा मोचन बाल (एसडीआरएफ) के संयुक्त तत्वाधान में यह 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इस अवसर पर आपदा लिपिक महादेव, मास्टर ट्रेनर महेश नारायण मिश्र व अतुल सिंह सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

खाक छान रही स्वाट, एसओजी व लालगंज पुलिस

बस्तीरू लालगंज थाने के लाकअप से नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में अभियुक्त नवरत्न गुप्ता उर्फ भोलू बुधवार को भोर में करीब पांच बजे लालगंज थाने पुलिस लाकअप से फरार हो गया था।घटना के 72 घंटे बाद भी पुलिस की संयुक्त टीम सुराग नहीं लगा सकी है। लालगंज थानाक्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी का नवरत्न उर्फ भोलु ने करीब डेढ़ माह पहले अपहरण कर लिया था। किशोर के रिश्तेदार की तहरीर पर लालगंज पुलिस ने कोतवाली थानाक्षेत्र निवासी भोलू गुप्ता के खिलाफ अपहरण, अश्लील हरकत समेत अन्य आपराधिक घटनाओं में मुकदमा दर्ज किया था। वांछित आरोपी को महसों चौकी प्रभारी अनस अख्तर ने पकड़ कर थाने के लाकअप में डाल दिया था मगर लापरवाही वश उन्होंने आरोपित का दाखिला जीडी में नहीं कराया। इस बीच भोलु पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लालगंज पुलिस के अलावा एसओजी व स्वाट की टीम लगी हुई है।पुलिस टीमें अभी तक सुराग नहीं लगा सकी हैं।

दो नाबालिग लड़की संग हुई लापता

बस्तीरू कोतवाली थानाक्षेत्र से बुधवार की सुबह तकरीबन आठ बजे अचानक 15 व 16 वर्षीया दो सहेलियां गायब हो गयीं। स्वजन का कहना है कि दोनों एक साथ स्कूल में पढ़ने गई थीं, लेकिन फिर वापस नहीं लौटी। अब पुलिस उनके घर से लेकर स्कूल तक के सीसीटीवी को खंगाल रही है। उनके मोबाइल का काल डिटेल निकला कर बीटीएस के जरिए उनका उनका पता लगाने में कोतवाली पुलिस जुट गई है।दोनों लड़कियों के स्वजन स्थानीय थाने में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस हरकत में आई और छानबीन में जुट गई। इस संबंध में शहर कोतवाल राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि दो बच्चियों के लापता होने की शिकायत मिली है। स्वजन से पूछताछ कर सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। बताया कि दोनों के घर से स्कूल तक के सभी स्थानों, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और जिले के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाला जा रहा है। सर्विलांस सेल की मदद ली जा रही है। जल्द ही दोनों का पता कर लिया जाएगा। कुछ क्लू हाथ लगे हैं।

युवती के साथ छेड़खानी

बस्तीरू पैकोलिया थानाक्षेत्र में युवती के साथ मारपीट कर छेड़खानी किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर पर उसके गांव के ही युवक के खिलाफ मारपीट, धमकी व छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर घटना की छानबीन शुरू कर दी है।

झांसा देकर बनाया शारीरिक संबंध

बस्तीरू लालगंज थानाक्षेत्र में युवती को तीन साल से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने युवती की तहरीर पर विक्रम यादव पुत्र लालमन यादव निवासी ग्राम गोनार थाना लालगंज के खिलाफ झांसा देकर दुष्कर्म करने की प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

परिसर में लगी भगत सिंह की प्रतिमा

अयोध्या (आरएनएस)। जयंती के पहले शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के साथ बेअदबी करने का मामला सामने आया है। अराजकतत्वों ने प्रतिमा में होंठ पर लाली लगाने के बाद नाखूनों पर लाल पेंट लगा दिया है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है।नगर निगम कार्यालय के सामने पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगी है। जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर प्रतिमा की सफाई की जाती है और फूल माला चढ़ाकर नमन किया जाता है। भारी बरसात के बाद भी शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के डॉ. नीरज सिन्हा, महावीर पाल, राजीव श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता व सेनानी परिषद के अध्यक्ष मनोज मल्होत्रा प्रतिमा के पास गए थे। देखा कि प्रतिमा को बेरंग कर दिया गया है।उनके होंठ और नाखून को लाल रंग से अजीब सा बेरंग पेंट कर दिया है, जिसको लेकर लोग अपर नगर आयुक्त शशि भूषण से मिले तो कहने लगे कि पेंटर ने गलती कर दी है। इसको ठीक कराया जाएगा। जांच कराकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं ट्रस्ट के साथियों ने एक राय से इस कृत्य की घोर निंदा करते हुए कहा कि अगर नगर निगम प्रशासन प्रतिमा को ठीक नहीं कराता तो आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

सरकार करा रही पशु गणना

अयोध्या (आरएनएस)। पशुधन विभाग की ओर से जनपद में डोर टू डोर पशुओं की गणना का कार्य प्रारम्भ हो गया है। यह पशु गणना पशुपालकों व किसानों के हित में एक बड़ा सार्थक कदम साबित होने वाला है। इस पशु गणना के साथ ही साथ पशुपालकों की आर्थिक गणना भी की जाएगी। वैसे तो पशु गणना हर पांच वर्ष मे कराई जाती है, किन्तु उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य प्रांतों में भी कराई जा रही यह पशु गणना एक विशेष तरीके से की जा रही है। इसमें गणना के सभी आंकड़े मोबाइल एप पर अपलोड किए जाएंगे। मतलब यह कि अयोध्या जनपद मे होने वाली पशु गणना पूरी तरह से डिजिटल होगी। प्रदेश की योगी सरकार की और से कराई जाने वाली 21 वीं पशु गणना का मकसद यह है कि घूमते पशुओं से किसानों को निजात दिलाई जा सके। पशु गणना होने के बाद कोई भी पशुपालक अपने पशुओं को छुट्टा नहीं छोड़ सकेगा। इससे जनपद में घुमंतू पशुओं की संख्या पर लगाम लग सकेगी। इसके अलावा योगी सरकार पशुपालकों की आर्थिक स्थिति से भी परिचित हो सकेगी। पशुगणना के साथ–साथ पशु स्वामी की शैक्षिक योग्यता, कृषि से सम्बन्धित स्थिति, सामाजिक स्थिति का भी आकलन किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीएसएम प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया अयोध्या में 423375 हाउस होल्ड में 131 ग्रामीण गणनाकर्ता एवं शहरी क्षेत्र में 13 गणनाकर्ता और 21 सुपरवाइजर को पशु गणना की जिम्मेदारी दी गई है। इस कार्य में पंचायत विभाग के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। दिसम्बर माह तक पशु गणना का कार्य चलेगा। इस पशु गणना में 16 प्रकार के पशुओं की गणना की जाएगी। जिसमें गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़, सूअर, मुर्गा–मुर्गी सहित 16 किस्म के पशुओं को गणना मे शामिल किया गया है।

शताब्दी समारोह के तहत प्रतियोगिता

सुलतानपुर(आरएनएस)। गनपत सहाय पी.जी. कॉलेज सुल्तानपुर में प्रबंधक डॉ ओम प्रकाश पाण्डेय 'बजरंगी' के दिशा निर्देशन में भारत सरकार की काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय में वर्षपर्यन्त चलने वाले कार्यक्रमों में एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अंग्रेज सिंह राणा की अध्यक्षता में किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना को चित्रों के माध्यम से जीवंत रूप प्रदान किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 50 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा विजय यादव को प्रथम, श्रद्धा सिंह को द्वितीय और सानिया अंसारी को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रो नीलम तिवारी, प्रो गीता त्रिपाठी, विशाल विश्वकर्मा निर्णायक मंडल की भूमिका में रहे।

परास्नातक विद्यार्थियों के सम्मान व विदाई समारोह का आयोजन

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालय कक्ष में सोमवार को परास्नातक भूगोल उत्तीर्ण कर चुके 2023–24 बैच के विद्यार्थियों का सम्मान व विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करने वाली श्रेयांशी सिंह, द्वितीय स्थान पाने वाले हर्षित तिवारी व तृतीय स्थान प्राप्त कुंवर विकास सिंह को स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। मिस्टर फेयरवेल हर्षित तिवारी व मिस फेयरवेल फूल जहां चुनी गईं।

मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भूगोल विषय में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। विद्यार्थी एकाग्र होकर तैयारी में लग जायें तो सफलता निश्चित है। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार ने बताया कि महाविद्यालय के भूगोल विभाग का इतिहास गौरवशाली रहा है। सभी विद्यार्थी जीवन में सफलता हासिल कर इस गौरवशाली परम्परा का हिस्सा बन सकें तो बेहतर होगा। संचालन एम ए की छात्रा गार्गी सिंह व छात्र आशीष पांडेय ने किया। समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संतोष कुमार सिंह, डॉ.शशांक शेखर सिंह व अभिषेक शुक्ल आदि ने अपने विचार रखे।

बदली अयोध्या की तस्वीर, पर्यटकों लुभा रही रामनगरी

अयोध्या (आरएनएस)। योगी सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। राम मंदिर के बाद सबसे बड़े पर्यटन स्थल के रूप में दर्शन नगर स्थित सूर्यकुंड उभरा है। यह दर्शनार्थियों और पर्यटक के आगमन से और चमक उठा है। अकेले सितंबर माह में ही यहां 50 हजार के करीब पर्यटक पहुंच चुके हैं। इसके अलावा गुप्तारघाट का गुप्त हरि गार्डन भी पर्यटकों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। अगर अयोध्या में तीसरे नम्बर पर सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले स्थल की बात करें तो वह गुप्त हरि गार्डन के रूप में सामने आ रहा है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं। प्रदेश की योगी सरकार ने जब से अयोध्या के लिए खजाना खोला है। तब से रामनगरी विश्व के फलक पर चमक रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ खुद अयोध्या के विकास पर नजरें टिकाए हुए हैं। अयोध्या में विकास कार्य चला रहीं करोड़ की परियोजनाओं आये दिन सीएम समीक्षाएं भी करते हैं। इसी का नतीजा है की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ ही पर्यटन स्थल और मठ–मंदिरों का भी सौन्दर्यीकरण कराया गया है। इनमें सूर्यकुंड और अयोध्या कैंट स्थित गुप्त हरि गार्डन छा गया है। लगभग रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंच रहे हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हुई थी। उसके बाद से अब तक तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये हैं। वे मंदिर दर्शन के साथ ही अन्य मठ मंदिरों और पर्यटन स्थल पर भी जा रहे हैं। सबसे अधिक पर्यटक सूर्यकुंड में पहुंच रहे हैं। सीएम योगी ने साफ कह दिया था कि अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से इस कदर सजाया और संवारा जाए, ताकि यहां आने वाला हर एक शख्स बार–बार आने की इच्छा जाहिर करे। इसी बात को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ भी अपने हर दौरे पर अधिकारियों को निर्देश देकर जाते हैं। सूर्यकुंड में सूर्य देव का एक मंदिर है। एक पोखरा है, जिसमें रात के समय फाउंटेन शो होता है। इसमें फव्वारे पर ही सूर्य देव से जुड़ा विजुअल दिखाया जाता है। इसके अलावा लाइटिंग और यहां आधुनिक झूले भी लगाए गए हैं।

कार्यालय – नगर निगम, प्रयागराज

पत्रांक 33/निविदा सूचना–जनकार्य विभाग / 2024 **निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक 15/10/2024

महाकुम्भ मेला–2025 के दृष्टिगत नगर निगम, प्रयागराज के समस्त पंजीकृत ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्यो की निविदा टू बिड सिस्टम के आधार पर दिनांक 05.11.2024 को अपराम्ह 3.00 बजें तक आमंत्रित की जाती है। दिनांक 04.11.2024 को सायंकाल 04.00 बजे निविदा समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.11.2024 को प्रात 10.30 बजे से सायं 02.00 बजे तक जनकार्य विभाग से प्राप्त किया जा सकता है (निविदा प्रपत्र उन्ही निविदादाताओं को वितरण किया जायेगा जिनके द्वारा वांछित निविदा शुल्क जमा रसीद की छायाप्रति उपलब्ध करायी जायेगी एवं वही रसीद की मूलप्रति निविदा के समय संलग्न करना अनिवार्य होगा।)। तकनीकी एवं वित्तीय बिड के लिफाफे को एक बड़े लिफाफे में डालकर मुख्य अभियन्ता कार्यालय कक्ष में रखे निविदा बाक्स में डाला जाना अनिवार्य होगा। निविदा हेतु वांछित दो प्रतिशत जमानत धनराशि को NEFT/RTGS के माध्यम से इण्डसइण्ड बैंक सिविल लाइन्स, प्रयागराज मे Earnest Money के नाम से खोले गये खाता संख्या 100116210062 व IFSC CODE- INDB0000124 एवं निविदा शुल्क को NEFT/RTGS के माध्यम से Tender Cost खाता संख्या 100116210130 व IFSC CODE INDB0000124 में जमा किया जा सकता है अथवा दो प्रतिशत जमानत धनराशि सी०डी०आर० / एफ०डी०आर०/ एन०एस०सी०, भी मान्य होगा, (जो नगर अभियन्ता / मुख्य अभियन्ता, नगर निगम प्रयागराज के पक्ष मे बन्धक होगी।) (सी०डी०आर०/एफ०डी०आर०/एन०एस०सी०, की वैधता अवधि 31. दिसम्बर 2024 तक होना अनिवार्य होगा), जिसे निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। जी०एस०टी० का भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी.एस.टी. रहित)	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	वार्ड–88 बक्शीखुर्द के अन्तर्गत नागवासुकी रोड स्थित वृद्धाश्रम में शौचालय / स्नानघर का निर्माण कार्य।	405175	8104	472	01 माह
2	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–38 अल्लापुर मे बी०एच०एस० मे श्याम कुंज विजय अग्रवाल के मकान से अनूप कुमार श्रीवास्तव के मकान तक हॉट मिक्स प्लांट द्वारा सड़क का सुधार कार्य।	809043	16181	944	02 माह
3	नगर निगम प्रयागराज स्थित जोन–04 रामबाग सेवा समिति के टायलेट का सुधार कार्य।	829316	16586	944	02 माह
4	नुरूल्ला रोड सेल्टर होम मे आवश्यक मरम्मत का कार्य।	394587	7892	472	01 माह
5.	लीडर रोड सेल्टर होम मे आवश्यक मरम्मत कार्य।	378089	7562	472	01 माह
6	जोन–03 वार्ड–68 सिविल लाइन्स न्याय मार्ग क्षेत्र में पार्षद आवास जाने वाली गली में इण्टरलाकिंग लगाये जाने का कार्य	194057	3881	236	01 माह
7	जोन–03 वार्ड–78 नया कटरा मे मास्टर जहरूल हसन रोड स्थित वाली गली में अमन केशरवानी के मकान तक सी०सी० गली एवं स्लैब कवरिंग का कार्य।	448899	8980	472	01 माह
8.	जोन–01 वार्ड–28 झूलेलाल नगर में दुर्गापूजा मैदान में बाउण्ड्रीवाल के बाहरी सरफेस पर प्लास्टर व पेंटिंग का कार्य	238049	4761	236	01 माह
9.	जोन–02 वार्ड–86 मालवीय नगर के अन्तर्गत तिलक रोड पंचमुखी मंदिर के सामने वाली गली में क्षतिग्रस्त इण्टरलाकिंग का सुधार कार्य।	311020	6220	354	01 माह
10.	जोन–02 वार्ड–57 काशीराज नगर के अन्तर्गत गऊघाट जोन आफिस के सामने उस पार कपूर क्लीनिक म०न0–78ए आर०के० कुशवाहा तक मार्ग मरम्मत / निर्माण कार्य।	163794	3276	236	01 माह
11	जोन–02 वार्ड–60 मिन्हाजपुर गढ़ीकला मे पंकज से लेकर संजय सोनकर तक छतिग्रस्त इण्टरलाकिंग गली व नाली का सुधार कार्य।	208088	4162	236	01 माह
12	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–94 चौखण्डी में मौजागिरि आश्रम से निकट यमुना रीवर नाला तक नाली एवं क्रास स्लैब का निर्माण कार्य।	682282	13646	826	02 माह
13	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड–30 कृष्णा नगर के अन्तर्गत मोहल्ला कृष्णा नगर मे धानू चाय की दुकान से नरेश केसरवानी शक्ति सिंह, पप्पू यादव म०न0–644 होते हुए बशर के मकान तक एवं गुन्जन वाली गली में सी०सी० द्वारा निमार्ण एवं नाली का निमार्ण कार्य।	840160	16803	944	02 माह
14.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड–30 कृष्णा नगर कीडगंज के अन्तर्गत मोहल्ला कृष्णा नगर में रामचन्द्र के मकान से पप्पू साहू मनीष वर्मा एवं मुकेश मोटर्स के विवेक कुमार अग्रहरि आदि के मकान तक गली मे सी०सी० एवं नाली का सुधार कार्य।	677164	13544	826	02 माह
15	जोन–02 वार्ड–76 के अन्तर्गत अतरसुईया स्थित शानिदेव मंदिर के पास क्षतिग्रस्त नाला व सी०सी० मार्ग निमार्ण/मरम्मत कार्य	619111	12382	708	02 माह
16	जोन–03 वार्ड–12 अशोक नगर में बहुगुणा मार्केट के सामने पार्क के जीर्णोद्धार का कार्य।	616946	12339	708	02 माह
17.	नगर निगम प्रयागराज स्थित नवाब यूसुफ रोड के टायलेट के मरम्मत का कार्य।	840074	16801	944	02 माह
18.	वार्ड–47 में अरैल घाट के निकट वेनी माधव मंदिर के पीछे नाला निमार्ण कार्य।	696964	13939	826	02 माह
19.	जोन–03 में पुरानी कचहरी के गेट न०–03 से मूत्रालय तक नाली चैम्बर का निमार्ण कार्य व न्यू बिल्डिंग से गेट तक नाली का निमार्ण कार्य व पीपल के पेड़ से गेट तक नाली निमार्ण कार्य व कैम्पस के विभिन्न स्थलों पर सी०सी० द्वारा पैच कार्य व ढोलपुर पत्थर से नाली कवर का कार्य।	234623	4692	236	01 माह
20	जोन–06 के अन्तर्गत वार्ड–49 ट्रान्सपोर्ट नगर में कपूर ट्रान्सपोर्ट के पूरब सड़क नाले पर रिटेनिंग वाल का निमार्ण कार्य।	432996	8700	472	01 माह
21.	जोन–06 के अन्तर्गत वार्ड–51 चक मुण्डेरा में बी०पी० सिंह के घर से बी०के० द्विवेदी के घर एवं श्री कृज लाल के घर से निरंकर के घर तक गली, नाली निर्माण कार्य।	751657	15033	826	02 माह
22	जोन–06 के अन्तर्गत स्थित रसूलपुर मरियाडीह में गौशाला बाउण्ड्रीवाल के उपर फेंसिंग का कार्य।	719538	14391	826	02 माह
23.	जोन–02 वार्ड–57 अन्तर्गत बाबा घर दास हाता अन्तर्गत म०न०–720 विकास केसरवानी तक सी०सी० मार्ग निर्माण कार्य।	323444	6469	354	01 माह
24	जोन–06 के अन्तर्गत वार्ड–51 रामचन्द्र मिशन कालोनी मे मृदुला श्रीवास्तव के घर से लेकर श्रीमती सीता देवी के घर होते हुये श्री आकाश कुशवाहा शवाहा के घर तक नाली गली का निर्माण कार्य।	627147	12543	708	02 माह
25.	जोन–06 के अन्तर्गत स्थित रसूलपुर मरियाडीह में स्थित गौशाला में पानी टंकी रखने हेतु प्लेटफार्म का निर्माण कार्य।	449516	8990	590	01 माह
26	जोन–02 वार्ड–57 काशीराज नगर में गऊघाट पर नाली निर्माण कार्य।	256655	5133	354	01 माह
27.	जोन–02 वार्ड–80 मोहत्सिमगंज के अन्तर्गत हरेन्द्र नारायण सिंह म०न0–135 व 229,221,223 म०न0–222 तक क्षतिग्रस्त गली सुधार/निर्माण कार्य।	306696	6134	354	01 माह

पत्रांक सं. डी–3265/ज.सम्पर्कअधि./2024 दिनांक 15/10/2024

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, प्रयागराज

कार्यालय – नगर निगम, प्रयागराज

पत्रांक 32/नि०सू०/2024, **ई–निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक 15/10/2024

महाकुम्भ मेला–2025 के दृष्टिगत नगर निगम प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु अनुभवी इच्छुक फर्मों जो केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/सरकारी प्राधिकरण/निगमों में पंजीकृत है से कार्यो की ई–निविदा टू बिड सिस्टम के आधार पर दिनांक 05/11/2024 को अपरान्हन 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 05/11/2024 को सायंकाल 04.00 बजे निविदा समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। निविदा हेतु वांछित दो प्रतिशत जमानत धनराशि को NEFT/RTGS के माध्यम से इण्डसइण्ड बैंक सिविल लाइन्स, प्रयागराज में Earnest Money के नाम से खोले गये खाता संख्या 100116210062 व IFSC CODE- INDB0000124 मे जमा किया जा सकता है अथवा दो प्रतिशत जमानत धनराशि सी०डी०आर०/एफ०डी०आर०/एन०एस०सी०, भी मान्य होगा, (जो अधिशासी अभियन्ता/मुख्य अभियन्ता, नगर निगम प्रयागराज के पक्ष में बन्धक होगी) एवं निविदा शुल्क को NEFT/RTGS के माध्यम से Tender Cost खाता संख्या 100116210130 व IFSC CODE- INDB0000124 में जमा किया जाना अनिवार्य होगा। उक्त निविदा बिना किसी कारण बताये किसी भी समय निरस्त/अस्वीकृत किये जाने का सम्पूर्ण अधिकार सक्षम अधिकारी नगर निगम प्रयागराज में भी निहित होगा। निर्धारित जी०एस०टी० का भुगतान बिल के साथ किया जायेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी.एस.टी. रहित) लाख में	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत लाख में	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर निगम मुख्यालय परिसर श्री आन्तरिक सड़क एवं साईड पटरी का सुधार कार्य।	13.93	27.86	1652	30 दिवस
2.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–48 अलोपीबाग मे श्री सुखदेव त्रिपाठी के म०नं0–323/1 अलोपीबाग मे शंकराचार्य रोड़ होते हुए रामलीला पार्क तक रोड़ नाली एवं साईड पटरी का सुधार कार्य।	23.66	47.32	2832	30 दिवस
3.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड संख्या–48 आलोपीबाग मे जावाहर लाल नेहरू रोड़ से ओल्ड जी०टी० रोड़ (बिस्मिल रोड़) तक रोड़ साईड पटरी एवं नाली का सुधार कार्य।	23.61	47.22	2832	30 दिवस
4	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड–94 चौखण्डी मे मौजगिरी आश्रम बाउण्ड्री वॉल से निकट यमुना नाला तक आर०सी०सी० नाला का निमार्ण/सुधार कार्य।	31.54	63.08	3776	60 दिवस
5.	जोन–06 के अन्तर्गत विभिन्न वार्डों मे अलाव हेतु लकड़ी आपूर्ति का कार्य।	12.60	25.2	1534	30 दिवस
6.	जोन–01 रसूलपुर स्टोर में अलाव हेतु लकड़ी एवं प्राथमित आपूर्ति का कार्य।	12.51	25.02	1534	30 दिवस
7.	जोन–02 लीडर रोड़ स्टोर में अलाव हेतु लकड़ी एवं श्रमिक आपूर्ति का कार्य।	12.60	25.2	1534	30 दिवस
8.	नैनी जोन–05 स्थिता चकरघुनाथ नैनी बाजार में शंकर डाल से नैनी स्टेशन गेट तक हाटमिक्स प्लांट द्वारा सड़क सुधार कार्य	34.97	69.94	4130	30 दिवस
9.	जोन–06 के अन्तर्गत वार्ड–15 महिलाग्राम में जी०टी० रोड के समान्तर रमाबाई गेट से लेकर फॉसी इमली तक जल निकासी हेतु आर०सी०सी० ह्यूम पाईप लाईन डालने का कार्य।	11.65	23.3	1416	60 दिवस
10.	जोन–07 वार्ड–16 बहमलपुर 37 शांतिपुरम् 58 फाफामऊ मे शीत लहर से बचने के लिए जलौनी लकड़ी एवं अलाव जलाने हेतु मजदूर की आपूर्ति लेने का कार्य।	12.51	25.02	1534	30 दिवस

नोट–निविदा का विवरण उत्तर प्रदेश की ई–निविदा प्राक्योरमेंट की वेबसाईड http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जा रही है शेष नियम व शर्ते एवं निविदा का विवरण वेबसाईड पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं.3266/ज.सम्पर्क.अधि./2024 दिनांक 15.10.2024

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, प्रयागराज

हरियाणा के मुख्यमंत्री को बधाई

प्रयागराज। नायब सिंह सैनी को हरियाणा का दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने बधाई सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सैनी अपने अनुभव ,कार्य कुशलता से भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली व नीतियों के अनुरूप गांव गरीब के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित कर हरियाणा में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। हरियाणा की डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में जनकल्याण सुशासन का जो नया कीर्तिमान स्थापित किया है मुझे विश्वास है कि नायब सिंह सैनी इसे और गति देंगे। राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, रोहित पाण्डेय पप्पू, श्याम पाण्डेय उपस्थित रहे।

कार्तिक मेले का शुभारंभ

प्रयागराज। मां यमुना मैया आरती समिति मीरापुर द्वारा 18 अक्टूबर को शाम 5 बजे हनुमान मंदिर बरगद घाट मीरापुर पर कार्तिक मेले का शुभारंभ किया जाएगा इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष दिनेश कनौजिया और महामंत्री अभिषेक ठाकुर के द्वारा पूर्ण विधि विधान के अनुसार पूजन अर्चन करते हुए माता यमुना जी की आरती कर मेला का शुभारंभ किया जाएगा महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने बताया कि पूरे कार्तिक मास में प्रतिदिन बरगद घाट मीरापुर में मां यमुना जी की सुबह और शाम 5 बजे आरती होगी।

महाकुंभ 2025: प्रयागराज जंक्शन में मॉक ड्रिल

प्रयागराज। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग हिमांशु शुक्ला के नेतृत्व में प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर वाणिज्य विभाग ने रेलवे सुरक्षा

बाल के साथ मिलकर मॉक ड्रिल में कहा कि महाकुंभ प्रयागराज मण्डल के सभी कर्मचारियों के लिए सेवा करने का बड़ा अवसर है। हम सभी का उद्देशय प्रयागराज की धरती पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु और यात्री को रेलवे का अच्छा अनुभव देना है। प्रयागराज मण्डल इनफॉर्मेशन एवं कम्युनिकेशन के लिए कार्य कर रहा है जिससे रेलवे की सुविधाओं और योजनाओं से यात्री और श्रद्धालु अवगत हो सकें। होर्डिंग और बैनर के माध्यम से यात्रियों को बताया जाएगा यात्रियों को किस दिशा या किस स्टेशन के लिए कहाँ से यात्रा करनी है इसके लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज एवं नैनी स्टेशन पर साईनेज के माध्यम से पूर्ण जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी। इस मॉक ड्रिल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक दिनेश कुमारय सहायक वाणिज्य प्रबंधक, संजय गौतमय सहायक वाणिज्य प्रबंधक, अनिल गुप्ता एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक, अंजय सिन्हा, वाणिज्य निरीक्षक, वाणिज्य सुपरवाइजर, टिकट निरीक्षक रहे ।

सपा कार्यालय में महर्षि बाल्मीकि जयंती मनाई।

प्रयागराज। गुरुवार को संस्कृत रामायण के रचयिता, आदि कवि महर्षि बाल्मीकि की जयंती समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में मनाई गई। सपा नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने महर्षि के चित्र पर फूल माला अर्पित कर नमन किया। प्राचीन वैदिक काल के महान ऋषियों में एक नाम बाल्मीकि जी का भी आता है। संस्कृत भाषा में पहला महाकाव्य रचने के कारण उन्हें आदि कवि कहा जाता है। आश्विन मास की शरद पूर्णिमा के आदि के जन्म का उल्लेख हिन्दू पौराणिक कथाओं में आता है। जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, डॉ मानसिंह यादव,विधायक संदीप पटेल,पंधारी यादव,नरेन्द्र सिंह,कृष्ण मूर्ति सिंह, दान बहादुर मधुर, शांति प्रकाश पटेल, रविन्द्र यादव एडवोकेट, नाटे चौधरी, रेहान अहमद, गीता पासी, जगदीश यादव, प्रभात यादव,महेन्द्र निषाद, मंजू यादव, शुभम भारतीय , देवीलाल चौधरी, मृत्युंजय पाण्डेय, अजीत यादव, इंजी विक्रम सिंह, कुलदीप यादव, राजेश यादव, अनिल वर्मा, मानसिंह, भोला यादव रहे।

निगम में सिटी हीट एक्शन प्लान पर बैठक

प्रयागराज। सिटी हीट एक्शन प्लान के सम्बंध में नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग की अध्यक्षता में अपरान्ह बारह बजे नगर निगम सभागार में बैठक हुई। जिसमें विगत वर्षों में पड़ रही गर्मी लगातार बढ़ने के फलस्वरूप सिटी हीट एक्शन प्लान तैयार किये जाने एवं इससे बचाव के दृष्टिगत जागरूकता के अन्तर्गत व्यापक प्रचार–प्रसार किये जाने पर चर्चा हुयी।

हीट वेब से बचाव के दृष्टिगत नगर निगम प्रचार वाहनों एवं वार्ड में तैनात टाटा एश वाहनों के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार कराये जाने के निर्देश दिये गये। अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त अरविन्द राय, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 महेश कुमार, पर्यावरण अभियंता उत्तम कुमार वर्मा, समस्त जोनल अधिकारी के साथ–साथ राज्य आपदा प्रबन्धक प्राधिकरण से डा0 कनीज फातमा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधी नगर उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर महावीर गोलेच्छा, प्रियंका चतुर्वेदी प्रोजेक्ट एक्सपर्ट, डब्लू0एच0ओ0 एवं यूनिसेफ टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया।

भारतीय कला के मूर्त एवं अमूर्त पक्षों का सटीक विश्लेषण

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में गुरुवार को डॉ.आनन्द कुमारस्वामी स्मृति व्याख्यान माला के अंतर्गत सुप्रसिद्ध कथक नर्तक पं.राजेन्द्र गंगानी का प्रदर्श व्याख्यान श्कथक नृत्य की परंपरारू मंदिर से मंच तकश विषय पर आयोजित किया गया,सभा की अध्यक्षता प्रो. जयंत खोत, अध्यक्ष संगीत नाटक अकादमी,उ.प्र. ने की। कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक संग्रहालय राजेश प्रसाद ने मुख्य वक्ता, सभाध्यक्ष सहित सभी उपस्थित विद्वत जनों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ कुमारस्वामी ने जिस तरह भारतीय कला के मूर्त एवं अमूर्त पक्षों का सटीक विश्लेषण किया वो कला विधा के अध्येताओं के लिए आज भी प्रतिमान है।और यह संस्था व शहर के लिए गौरव की बात है कि ऐसे कला मनीषी की स्मृति में आयोजित व्याख्यान देने को आज पं.गंगानी सदृश शीर्षस्थ कला साधक हमारे बीच उपस्थित है। अपने व्याख्यान में पं.गंगानी ने डॉ कुमारस्वामी को नमन करते हुए कहा कि यह मेरे लिए अति सौभाग्य का विषय है कि महान कलाविद् को समर्पित व्याख्यान देने का सुअवसर हमें मिला उन्होंने मां भगवती को नमन करते हुए पहली प्रस्तुति शक्ति स्वरूपा को समर्पित किया। इसके पश्चात पं.गगानी ने कथक की विकास–यात्रा कैसे मंदिर प्रांगण से निकलकर मंच तक पहुंची विस्तार से रेखांकित किया।अपनी अमूर्त सांस्कृतिक मूल्यों के पोषण में गुरु–शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते उन्होंने अपने गुरू पं.सुंदर लाल जी (जयपुर घराना) को याद करते हुए दूसरी प्रस्तुति में कथक रिदम व पदताल को समर्पित किया, प्रयागराज का संगीत के क्षेत्र में महत्तर योगदान को याद करते हुए। गंगानी ने कथक पुरोधा पं. बिरजू महाराज को नमन किया।प्रयागराज व साहित्य के अटूट सम्बन्ध के बताती अपनी प्रस्तुति से पं.गंगानी सभी उपस्थित कला रसिकों का करताल बटोरा। व्याख्यान में श्री फतेह सिंह ने तबले पर व उस्ताद समीउल्ला खान ने तबले पर संगत किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर जयंत खोत ने सुंदर प्रस्तुति तथा व्याख्यान हेतु पं.गंगानी व आयोजन के लिए इलाहाबाद संग्रहालय को बधाई देते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि इलाहाबाद संग्रहालय सांस्कृतिक संरक्षण के अपने दायित्व में निरंतर सक्रिय है।कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ लोकेश शुक्ल, हसन नकवी,जनाब उस्मानी, डॉ, मधूरानी शुक्ला, डॉ श्रीरंजन शुक्ल, डॉ रामहित त्रिपाठी समेत शहर के गणमान्य नागरिक व संगीत प्रेमी रहे।

स्वकर निर्धारण एवं गृहकर छूट की अवधि मात्र अक्टूबर तक

प्रयागराज। कर विभाग नगर निगम द्वारा वसूली हेतु विगत दिनों की गयी समीक्षा बैठक में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी द्वारा समस्त कर अधीक्षकों तथा राजस्व निरीक्षकों को यह स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी भवन स्वामियों को, जिनके द्वारा अबतक गृहकर का भुगतान नही किया गया है या स्वकर निर्धारण कराते हुए गृहकर जमा नही किया गया है ऐसे सभी लोगों को समस्त वार्डो एवं मोहल्लों में आई0ई0सी0 के वाहन द्वारा प्रचार–प्रसार कराते हुए अवगत कराए कि '31 अक्टूबर 2024 के बाद स्वकर निर्धारण अथवा गृहकर छूट की अवधि में अब वृद्धि नही होगी। गृहकर छूट एंव स्वकर निर्धारण की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 को मा0 नगर निगम सदन द्वारा पहले ही घोषित किया गया था, अतः इसपर सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया था कि भवन स्वामियों की सुविधा को देखते हुए वित्तीय वर्ष के छमाही बीतने के उपरान्त भी उन्हें छूट की सुविधा दी जाए, जिसके कारण 31 अक्टूबर 2024 अन्तिम तिथि घोषित की गयी थी। जिन भवन स्वामियों द्वारा 31 अक्टूबर 2024 तक स्वकर भरकर जमा नही किया जाएगा, उनको जारी किये गये बिल में जो भी कर आगणित किया गया है उसका भुगतान प्रत्येक दशा में करना होगा, 'चूकि स्वकर निर्धारण की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2024 तक पूर्ण रूप से बन्द हो जाएगी, अतः वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रभावी वार्षिक मूल्यांकन के अनुसार स्वकर निर्धारण न कराने वाले भवन स्वामियों द्वारा गृहकर जमा किया जाना अनिवार्य होगा।' ऐसी स्थिति में स्वकर निर्धारण न कराते हुए एवं गृहकर भुगतान रोकने वाले ऐसे सभी भवन स्वामियों से गृहकर की वसूली बकाए के रूप में की जाएगी। अतएव मुख्य कर निर्धारण अधिकारी द्वारा सभी भवन स्वामियों को इस विषय में आगाह करते हुए स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अक्टूबर माह में अवशेष 15 दिनों के अन्दर अपना स्वकर निर्धारण फार्म भरकर कराते हुए गृहकर जमा कर देंवें एवं जिनके द्वारा चालू गृहकर जमा नही किया गया है ऐसे भवन भवन स्वामी 10 प्रतिशत छूट प्राप्त करते हुए 31 अक्टूबर 2024 तक अपना गृहकर जमा कर दें।

राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता

प्रयागराज। गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर प्रयाग प्रांत भारत विकास परिषद लक्ष्य शाखा द्वारा राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में छह विद्यालयों में महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर तेलियरगंज पतंजलि ऋषिकुलम तेलियरगंज एमपीवीएम गंगा गुरुकुलम ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर गंगापुरी बा कॉन्वेंट सुलेम सराय तथा प्रयागराज पब्लिक स्कूल फफामऊ ने प्रतिभा किया प्रथम पतंजलि ऋषिकुलम तेलियरगंज द्वितीय ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर गंगापुरी और तृतीय एम वी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज सुलेमसराय ने स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया प्रादेशिक भाषा में भी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शाखा उपाध्यच गिरीश जायसवाल ने सभी का स्वागत किया, कार्यक्रम का संचालन सचिव संध्या जायसवाल ने किया, धन्यवाद ज्ञापन संगठन सचिव वेद श्रीवास्तव ने दिया। घनश्याम वैश्य,केशव मोहन गुप्ता ,मंजू गुप्ता,सुषमा वैश्य, प्रांतीय अध्यक्ष अनूप जैन ,महासचिव अमित श्याम, वित्त सचिव आर . एस.सिंह, रवि साहू,रीजनल संस्कार सचिव निशा जयसवाल, राष्ट्रीय सदस्य पर्यावरण अरुण जायसवाल ,रीजनल सचिव पर्यावरण सुनील धावन राजश्री श्रीवास्तव, अर्चना जायसवाल, जितेंद्र कुमार, अजीत श्रीवास्तव रहे।

इविविः विधिक सहायता और सेवा केन्द्र का उद्घाटन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय विधि संकाय में विधिक सहायता और सेवा केन्द्र का उद्घाटन समारोह 16 अक्टूबर 2024 को अपराह्न बारह बजे विधि संकाय के नए भवन में प्रोफेसर आदेश कुमार डीन, विधि संकाय ने दिनेश गौतम (ए0डी0जे0) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का स्वागत किया। तत्पश्चात श्री दिनेश गौतम (ए0डी0जे0) ने विधि संकाय में विधिक सहायता एवं सेवा क्लिनिक का फीता काटकर उद्घाटन किया। डॉ. अंशुमान मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। उसके बाद प्रोफेसर आदेश कुमार डीन, विधि संकाय ने इस अवसर पर संबोधित किया, उन्होंने यूनानी दार्शनिक अरस्तू पर विशेष जोर देने के साथ न्याय की अवधारणा पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि केवल तंत्र द्वारा सभी को कानूनी न्याय प्रदान नहीं किया जा सकता है, बल्कि जरूरतमंद लोगों को सही न्याय प्रदान करना सुनिश्चित करने के लिए एक छोटी इकाई होनी चाहिए। इसके बाद डॉ. सोनल शंकर ने समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कानूनी सहायता एक सामाजिक कर्तव्य की तरह है। यह कानूनी शिक्षा का एक हिस्सा है। श्री दिनेश गौतम (ए0डी0जे0) ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कानूनी सहायता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंत में विधि संकाय के डीन प्रोफेसर आदेश कुमार द्वारा दिनेश गौतम (ए0डी0जे0) को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर आदेश कुमार, डीन एवं समन्वयक, विधि विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ. संजीव कुमार (समन्वयक, विधिक सहायता और सेवा), डॉ. अनुराग दीपक वर्मा, डॉ. विजय लक्ष्मी सिंह, डॉ. संध्या वर्मा, डॉ. मुक्ता वर्मा, डॉ. अजय सिंह, डॉ. नवीन प्रकाश वर्मा, डॉ. ब्रिजेश कुमार सिंह, डॉ. राहुल श्रीवास्तव, डॉ. नरेन्द्र कुमार, भीम सिंह मीना, श्रद्धा चौधरी रहे।

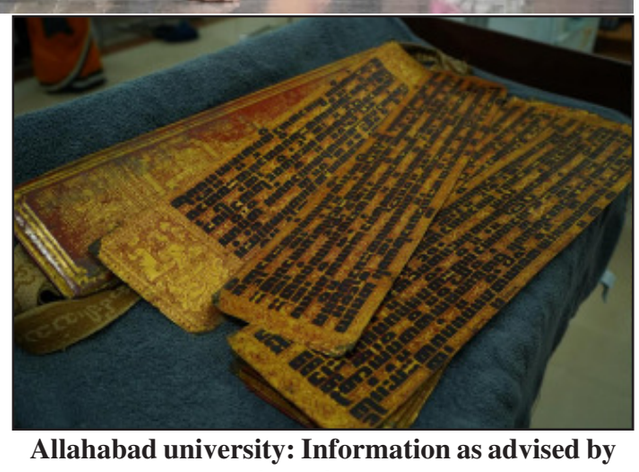

Allahabad university: Information as advised by numismatics expert.

बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन ने खोला पुरस्कारों का पिटारा

प्रयागराज। बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन अपने पारंपरिक दुर्गा पूजा पारितोषिक वितरण कार्यक्रम इलाहाबाद दुर्गा पूजा समिति के सहयोग से आगामी 20 अक्टूबर 24 को सुबह 11 बजे भारत सेवाश्रम संघ के प्रांगण में आहूत करेगी, यह जानकारी संस्था के सचिव डॉ पी के राय ने प्रेस को दिया। संस्था के उप सचिव असित कुमार राय ने कहा चयन समिति के सदस्यों के द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर 21 दुर्गा पूजा बारवारियों को पारितोषिक के लिए चयन किया गया है जिसमें सिटी बारवारी, कीडगंज, करेली, शास्त्री नगर, शाहगंज, जॉर्ज टाउन, बाई का बाग, महामाया प्रीतम नगर, झूंसी योजना 2, कालिंदीपुरम, करेलाबाग, कटघर, राजरूपपुर, झूंसी योजना 3, नेता नगर, रामानंद नगर अल्लाहपुर, त्रिवेणीपुरम झूंसी, सार्वजनिक जय मां दुर्गा मम्फोर्डगंज, साउथ मलाका, प्रयाग आदिशक्ति कमेटी(बंसी भवन) एवं मीरापुर बारवारी सम्मलित है इसके अलावा संस्था अपने 14 दुर्गा पूजा निर्णायक (जूरी) मंडल का भव्य सम्मान करेगी।

इविविः उच्च स्तरीय समिति के समक्ष समस्त धरोहर सील

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय में रखे गए पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं की अलमारी, लाकर को खोला गया। विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति के समक्ष

अलमारी लाकर खोला गया। उसमें रखी हुई पुरातात्विक धरोहरों की सूची तैयार की गई । अलमारी में तीन प्रकार की धरोहर प्राप्त हुई हैं प्रथम पुरातात्विक खुदाईयों से प्राप्त विभिन्न शासको के काल की विभिन्न धातुओं के सिक्के नंबर दो एक शाही फरमान जो पर्शियन भाषा में लिखा गया है। इविवि जनसंपर्क अधिकारी जया कपूर ने बताया कि नंबर तीन ताम्रपत्र पर अंकित पाली भाषा में विनय पिटक। उक्त धरोहरों को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संग्रहालय में रखा जाएगा जो शोधार्थियों के लिए शोध सामग्री के रूप में उपयोग में आएगा । उच्च स्तरीय समिति के समक्ष समस्त धरोहर सील लगाकर लकार में पुनः रख दी गई है तथा उसे विशेषागों के द्वारा विवरण सहित तैयार करके संग्रहालय की योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा।

मासूम की रेप और हत्या के बाद रोज दुर्गा पंडाल जाता था आरोपी, ताकि किसी को न हो उस पर शक

प्रयागराज। सोरांव में मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में पकड़े गए आरोपी से कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि घटना के बाद बाद वह रोज दुर्गा पूजा पंडाल जाने लगा था। पहले वह नहीं जाता था। पूछताछ में पता चला कि वारदात को अंजाम देने से पहले वह एक साथी से पैसे लेकर शराब पी थी। इसके बाद पीड़िता को साइकिल से ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। जांच में पता चला कि आरोपी मुकेश दो भाइयों में सबसे छोटा है। गांव स्थित एक टेंट हाउस में मजदूरी का काम करता है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062